वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची - गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग - 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

विश्व हिंदी दिवस -2022 सह हिंदी कार्यशाला

दिनांक 10.01.2022

भारतीय वानिकी अनुसंधान एव शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देशानुसार के आलोक में वन उत्पादकता संस्थान,रांची द्वारा दिनांक 10.01.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर विश्व में हिंदी भाषा की पहुंच पर व्याख्यान, कार्यशाला एवं कविता पाठ का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के समस्त वैज्ञानिकों,अधिकारियों एव कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए संस्थान की हिंदी अधिकारी श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर ने विश्व हिंदी दिवस की शुभकामना के साथ कार्यक्रम का परिचय दिया। डा. योगेश्वर मिश्रा समुह समनव्यक (अनुसंधान) ने विश्व हिंदी दिवस की परिकल्पना से लेकर विश्व हिंदी दिवस सम्मेलन की चर्चा की एवं सन 2006 से विश्व हिंदी दिवस मनाने के बावत पूर्व प्रधानमंत्री के घोषणा की भी चर्चा की। विश्व के अनेक देशों में भी हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाता है इस पर भी इन्होने उल्लेख किया।

संस्थान के श्री बी.डी.पंडित ने भी हिंदी भाषा को विश्व की भाषा बनाने के लिए हिंदुस्तानियों से अपील की एवं उम्मीद किया कि एक दिन हिंदी विश्व की भाषा बनकर रहेगी। श्री आशुतोष कुमार पांडे ने हिंदी के विश्व में प्रयोग की चर्चा करते हुए अपने संस्थान के हिंदी कार्यों में

प्रगति की भी चर्चा की । श्रीमती किरण दास एवं अन्य नें स्वरचित कविता पाठ पढकर विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी एवं कार्यशाला को सफल बनाने हेतु योगदान दिया।

संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी ने सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामना दी एवं विश्व हिंदी दिवस मनाने के प्रयोजनों से सभा को आभासीय मंच से संबोधित किया। इन्होने कालीदास,सूरदास,तुलसीदास, भारतेंदु आदि की रचनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि हिंदी प्राचीनतम भाषा है और इसका इतिहास काफी पुराना है। सन 1918 में पहला हिंदी साहित्य सम्मेलन में महात्मा गांधीजी द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा की मांग की भी चर्चा की। इन्होने बताया कि लगभग 65 करोड लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी भाषा का संयुक्त राष्ट्र में भी वेवसाइट तैयार हो चुका है। अनेकता में एकता वाले देश मे एक दूसरे को जोडे रखने में हिंदी की बडी भूमिका है। इस के साथ ही पुन: सभी को बधाइ दी । कार्यक्रम समापन करते हुए श्रीमती रुवी सुसाना कुजूर ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के विस्तार प्रभाग, हिंदी अनुभाग एवं सूचना तकनीक प्रभाग का विशेष योगदान रहा।

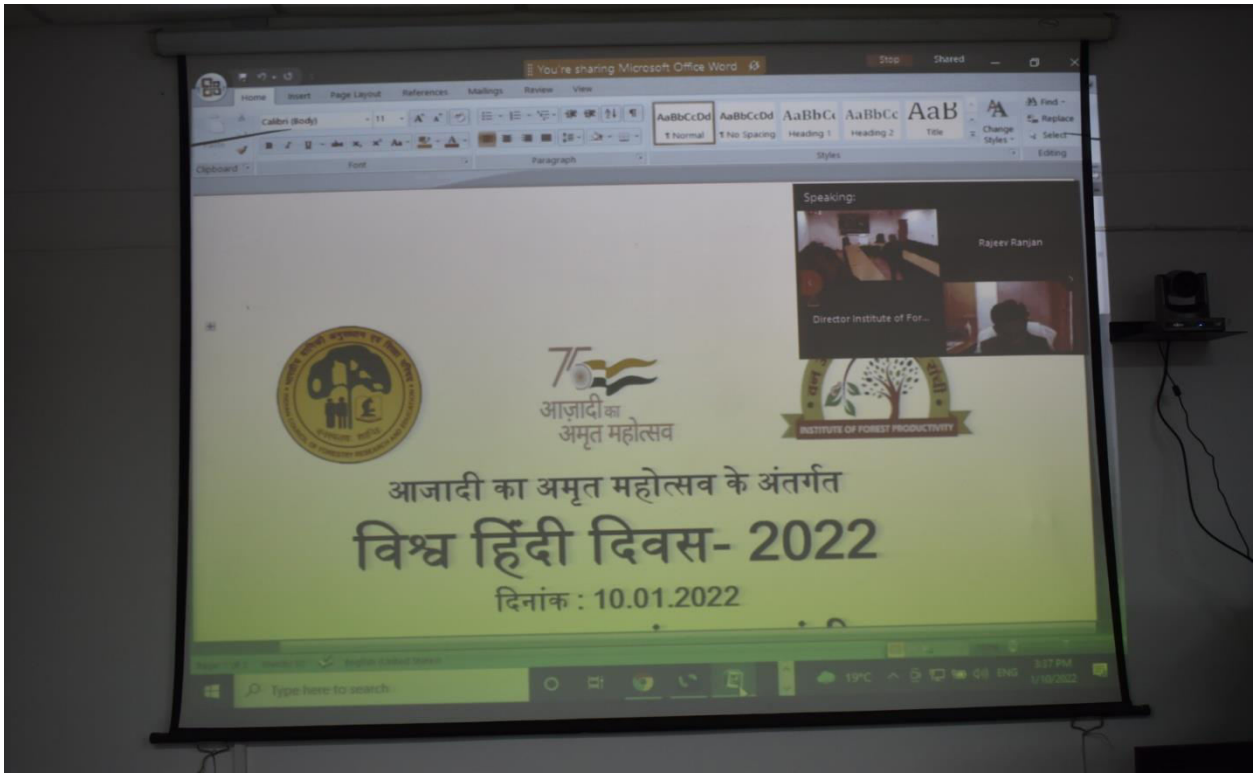

विश्व हिंदी दिवस -2022 का कार्यक्रम की झलकियां

विश्व हिंदी दिवस -2022 का कार्यक्रम की झलकियां

विश्व हिंदी दिवस -2022 का कार्यक्रम की झलकियां

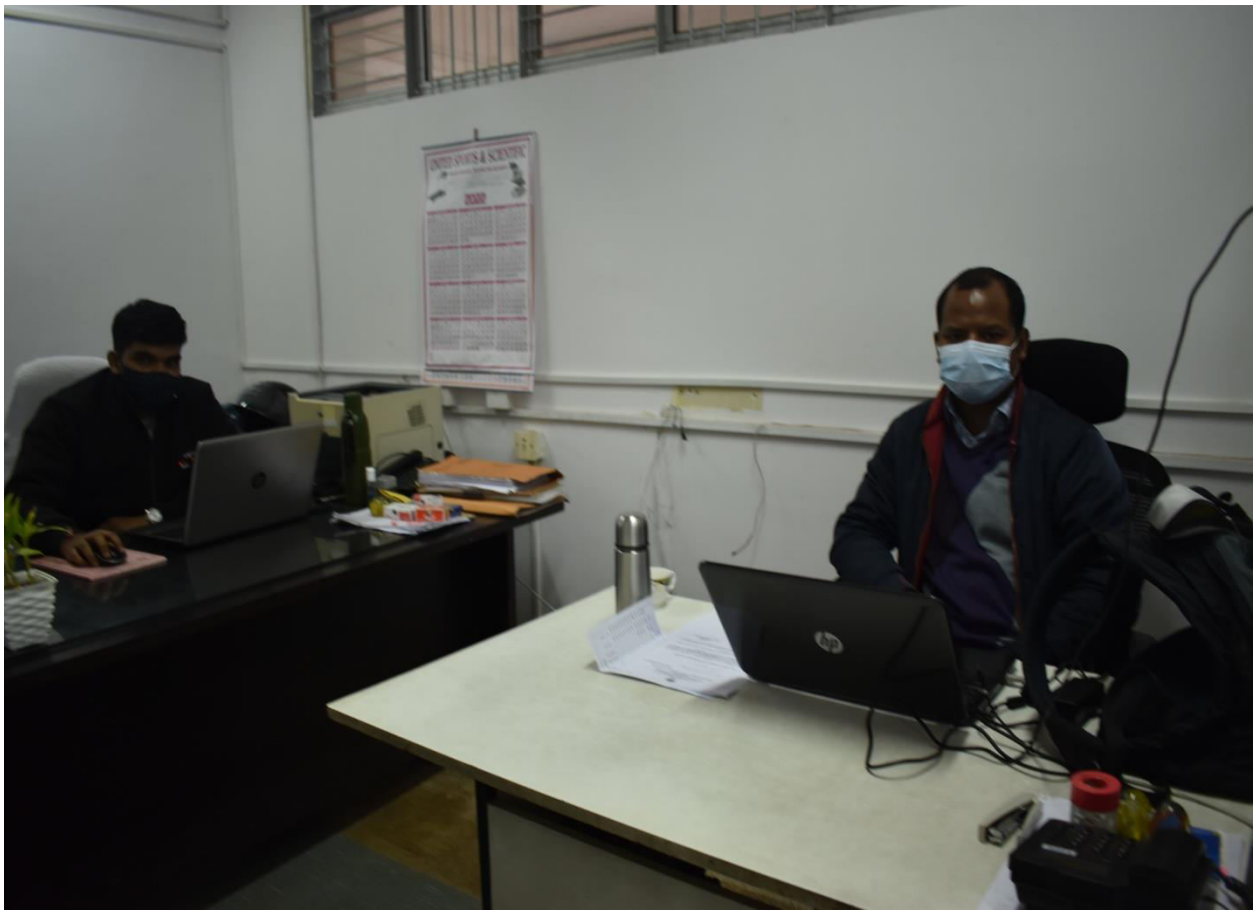

विश्व हिंदी दिवस -2022 का कार्यक्रम की झलकियां